M.A. Hindi

Programme Structure and Detailed Syllabus

2018-19

Department of Languages and Comparative Literature

School of Languages, Literature and Culture

Central University of Punjab, Bathinda

Revisions: BoS dated 14.05.2018

Central University of Punjab, Bathinda

School: **Languages, Literature and Culture**
Department: **Languages and Comparative Literature**
Programme: **M.A. Hindi**
Batch: **2018-19**

Semester - I

S. No.	Course Code	Course Title	Course Type	L	T	P	Cr
1.	HIN.506	हिन्दी साहित्य का इतिहास-1 (आदिकाल से रीतिकाल तक)	CC	3	1	0	4
2.	HIN.507	आधुनिक हिन्दी काव्य - 1	CC	3	1	0	4
3.	HIN.508	भारतीय काव्यशास्त्र	CC	3	1	0	4
4.	HIN.509	कथा साहित्य	CC	3	1	0	4
5.	HIN.515	शोध प्रविधि एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग	CFC	2	1	0	3
6.	HIN.516	कंप्यूटर अनुप्रयोग (प्रायोगिक)	CFC	0	0	2	1
7.	HIN.510 HIN.511	हिन्दी भाषा: उद्भव और विकास जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी	DSE*	3	1	0	4
8.	**	अंतः विषय पाठ्यक्रम -1 (IDC)	IDC	2	0	0	2
		Total		**18**	**5**	**2**	**26**

*Choose any one DSE Course

****Interdisciplinary courses offered by Hindi Faculty (for students of other departments)**:

1.	HIN.512	हिंदी पत्रकारिता (IDC)	IDC	2	0	0	2

Semester - II

S. No.	Course Code	Course Title	Course Type	L	T	P	Cr
1	HIN.521	हिन्दी साहित्य का इतिहास-2 (आधुनिक काल)	CC	3	1	-	4
2.	HIN.522	आधुनिक हिन्दी काव्य - 2	CC	3	1	-	4
3.	HIN.523	कथेतर गद्य साहित्य	CC	3	1	-	4
4.	HIN.524	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	CFC	3	1	-	4
5.	HIN.525 HIN.526	प्रयोजनमूलक हिन्दी हिन्दी पत्रकारिता	DSE*	3	1	-	4
6.	**	अंतः विषय पाठ्यक्रम -2 (IDC)	IDC	2	0	-	2
		Total		**17**	**5**	**-**	**22**

*Choose any one DSE Course

****Interdisciplinary courses offered by Hindi Faculty (for students of other departments)**

1.	HIN.527	हिन्दी सिनेमा	IDC	2	0	0	2

Semester – III

S. No.	Course Code	Course Title	Course Type	L	T	P	Cr
1.	HIN.551	भाषाविज्ञान	CC	3	1	-	4
2.	HIN.552	हिंदी काव्य - 1	CC	3	1	-	4
3.	HIN.553	लोक साहित्य	CC	3	1	-	4
4	HIN.554	भारतीय साहित्य	CC	3	1	-	4
5.	HIN.555 HIN.556 HIN 557 HIN 558	स्त्री विमर्श दलित विमर्श अनुवाद: सिद्धांत एवं समीक्षा हिन्दी नाटक और रंगमंच	DSE*	3	1	-	4
6.	HIN.543	सेमिनार-1	SDC	-	1	-	1
7.	**	Elective Foundation /Value Addition	EF/VA	1	-	-	1
		Total		**16**	**6**	**-**	**22**

*Choose any one DSE Course

**Choose a Course from the value added Course offered in the University

Semester - IV

S. No.	Course Code	Course Title	Course Type	L	T	P	Cr
1.	HIN.571	हिंदी काव्य – 2	CC	3	1	-	4
2.	HIN.572 HIN.573 HIN.574	हिन्दी आलोचना हिन्दी की संस्कृति (संस्थाएं, पत्रिकाएँ, आन्दोलन, केंद्र) हिंदी उपन्यास	DSE*	3	1	-	4
3.	HIN.577	हिंदी भाषा और साहित्य का पुनरावलोकन-I	DEC	-	2	-	2
4.	HIN.578	हिंदी भाषा और साहित्य का पुनरावलोकन -II	DEC	-	2	-	2
5.	HIN.544	सेमिनार-2	SDC	-	1	-	1
6.	HIN.599	परियोजना	SDC	-	6	-	6
7.	**	Elective Foundation/Value Added Course	EFC/VAC	1	-	-	1
		Total		**10**	**10**	**-**	**20**

*Choose any one DSE Course

**Choose a Course from the value added Course offered in the University

Abbreviations and Explanations

CC: Core Course
DSE: Discipline Specific Elective
DEC: Discipline Enrichment Course
EFC: Elective Foundation Course
L: Lectures T: Tutorial

CFC: Compulsory Foundation Course
IDC: Interdisciplinary Elective
SDC: Skill Development Course
VAC: Value Added Course
P: Practical Cr: Credits

Note: Students can also opt for relevant MOOC Courses offered by other universities in lieu of any one Foundation/Value Added Course (4 Credits)

Evaluation Pattern:

Note: The information given below is reproduced here from clause 13.2 of the Rules for Master's Degree Programme (Applicable w.e.f. Academic Session 2017-18) duly approved by the statutary bodies of the University and is provided for information only. In case of any discipancy/updation in the rules, students are advised to refer to the original document available on the university website.

13.2 Following evaluation procedure shall be applicable:

1. Continuous Assessment:

a) **Surprise Tests will be of aggregate weightage of 10%.** There will be no limit for the surprise tests of MCQs type and the average of two best tests will be considered for the evaluation. These tests will be held in the class rooms during scheduled teaching periods without any prior announcement or date sheet. Record of the answer sheets duly evaluated and signed by the Course Coordinator will be maintained by the Centre.

b) **Term paper will have the weightage of 10%.** The term papers shall not be a cosmetic affair. The students will be given different topics to write on. The minimum and maximum length of the term paper and due date of its submission will be decided well in advance and will be communicated to the students at the start of the teaching. The Course Coordinator must ensure that work done by the student is original i.e. no copy-paste has been done. Proper record of the term paper will be maintained by the Centre.

c) **Assignment(s) will be of 5% weightage.** All details regarding the assignments i.e. minimum and maximum marks, length etc. and due date of its submission will be decided by the Course Coordinator.

2. Mid Semester Tests: Based on two pre-announced tests at the level of the Centre. These tests will be subjective type and will contain five medium answer type questions and two long answer type question. Each MST will carry 25% weightage and total **weightage of MSTs will be of 50%.**

I. The duration of MST will be one hour and it will be conducted in the class room. After the examination, normal teaching will continue for the remaining day. The format of the examination, recommended by the committee, is as under: 25 marks = 60 minutes

II. 02 Long answer type questions – 05 marks each (One page answer) 05 medium answer type questions – 03 marks each (half page answer) (All are compulsory)

3. End Semester Examination: End Semester Examination will be conducted online in the University Computer Centre. End Semester Examination will be based on MCQs/fill ups. Weightage of End Semester Examination will be of 25%.

- - - x - - -

Further, in most of the courses of M.A. Hindi, especially, related to study of literary texts, term papers will be in the form of Practical Criticism where students will apply the knowledge gained in the course of study to particular text(s).

M.A. Hindi (Detailed Syllabus)

SEMESTER-1

HIN. 506: fgUnh lkfgR; dk bfrgkl&1 ¼vkfndky ls jhfrdky rd½

mís'; %

- हिन्दी साहित्येतिहास की संकल्पना को समझना।
- मध्यकाल के हिन्दी साहित्य तथा साहित्येतिहास के संबंध में समझ विकसित करना।
- मध्यकाल के साहित्य में प्रयुक्त विविध काव्यधाराओं के संबंध में समझ विकसित करना।

bdkbl&1 ¼15 ?k.Vs½

हिन्दी साहित्येतिहासः अर्थ, महत्त्व और दर्शन, साहित्येतिहास लेखन परम्परा, आधारभूत सामग्री।
हिन्दी साहित्य का इतिहास, काल–विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण

bdkbl&2 ¼15 ?k.Vs½

आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य
आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार।

bdkbl&3 ¼15 ?k.Vs½

भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य
संतकाव्य और सूफी काव्यः प्रमुख कवि और उनका योगदान

bdkbl&4 ¼15 ?k.Vs½

राम व कृष्ण काव्य, प्रतिनिधि कवि और रचनागत वैशिष्ट्य
रीतिकाल–नामकरण, प्रवृत्तियाँ, विभिन्न धाराएँ, प्रतिनिधि कवि व रचनाएँ

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

गणपति चन्द्रगुप्त : हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, भारतेन्दु भवन, चण्डीगढ़।

नगेन्द्र (संपादक) : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

नलिन विलोचन शर्माः इतिहासदर्शन, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना

बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

रामकुमार वर्मा : हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नवसाहित्य प्रेस, इलाहाबाद।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य उद्‌भव और विकास, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

श्यामसुंदर दासः हिन्दी साहित्य, इण्डियन प्रैस, इलाहाबाद

HIN. 507: vk/kfud fgUnh dk0;&1

mís'; %

- हिन्दी साहित्य के आधुनिक काव्य के संबंध में समझ विकसित करना।
- आधुनिक काल की विविध काव्य प्रवृत्तियों की समझ विकसित करना।
- विवेच्य काव्यों का आलोचनात्मक विश्लेषण करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.Vs½

जयशंकर प्रसाद कामायनी (चिंता एवं J)k lx½

bdkbZ&2 ¼15 ?k.Vs½

मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)

bdkbZ&3 ¼15 ?k.Vs½

सर्यूकान्त त्रिपाठी 'निराला' : राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता (काव्य संग्रह : राग विराग)

bdkbZ&4 ¼15 ?k.Vs½

रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्र

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

नगेन्द्र : साकेत : एक अध्ययन, साहित्य भण्डार, आगरा।

नगेन्द्र : कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

रामविलास शर्माः निराला की साहित्य साधना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

गजानन माधव मुक्तिबोध : कामायनी : एक पुनर्विचार, साहित्य भारती, दिल्ली।

जगमोहन शर्माः स्वच्छंदतावाद और दिनकर, शारदा प्रकाशन, दिल्ली।

HIN. 508 : भारतीय काव्यशास्त्र

mís'; %

- भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांतों के संबंध में समझ विकसित करना।
- भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का आलोचनात्मक विश्लेषण करना।
- भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का काव्य पर अनुप्रयोग करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.Vs½

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार

रस सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस निष्पति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

bdkbZ&2 ¼15 ?k.Vs½

अलंकार सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ।

bdkbZ&3 ¼15 ?k.Vs½

वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद।

ध्वनि–सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनिकाव्य के प्रमुख भेद

bdkbZ&4 ¼15 ?k.Vs½

औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

नगेन्द्र : काव्य में उदात्त तत्त्व, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।

नगेन्द्र : रस सिद्धान्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

नंद किशोर नवल : हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

देवेन्द्र नाथ शर्मा: काव्य के तत्त्व, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

भागीरथ दीक्षित : समीक्षालोक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।

राजवंश सहाय 'हीरा' : भारतीय साहित्यशास्त्र कोश, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना ।

रामदहिन मिश्र : काव्यदर्पण, ग्रथमाला प्रकाशन, पटना ।

सत्यदेव चौधरी : भारतीय काव्यशास्त्र, साहित्य सदन, झांसी ।

HIN. 509: dFkk lkfgR;

mís'; %

- कथा साहित्य के इतिहास के संबंध में विस्तार से समझ विकसित करना।
- विवेच्य रचनाओं का आलोचनात्मक एवं तुलनात्मक विश्लेषण करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.Vs½

miU;kl% xksnku (मुंशी प्रेमचंद)

bdkbZ&2 ¼15 ?k.Vs½

उपन्यासः बाणभट्ट की आत्मकथा (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी)

bdkbZ&3 ¼15 ?k.Vs½

हिन्दी कहानी –1 :

1. उसने कहा थाः चंद्रधर शर्मा गुलरी 2. कफ़नः प्रेमचंद
3. आकाशदीपः जयशंकर प्रसाद 4. पत्नीः जैनेन्द्र
5. परिन्देः निर्मल वर्मा 6. वापसीः उषा प्रियंवदा
7. अमृतसर आ गयाः भीष्म साहनी 8. तिरिछः उदयप्रकाश

bdkbZ&4 ¼15 ?k.Vs½

हिन्दी नाटकः

चंद्रगुप्त– जयशंकर प्रसाद
आधे–अधूरे– मोहन राकेश

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

इन्द्रनाथ मदानः गोदान पुनर्मुल्यांकन, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
गोपालराय : गोदान : एक नया परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
गोपालराय : हिन्दी कहानी का इतिहास
जगमोहन चोपड़ा : आधुनिक हिन्दी उपन्यास, विक्रान्ति प्रेस, दिल्ली।
नामवर सिंहः कहानो, नयी कहानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
रामदरश मिश्रः हिन्दी उपन्यासः एक अंतर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
रोहिणी अग्रवालः हिन्दी उपन्यास का स्त्री पाठ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
यश गुलाटी : प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास–1, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
रोहिणी अग्रवालः हिन्दी कहानीः वक्त की शिनाखत और सृजन का राग।
गिरिश रस्तोगीः हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
गिरिश रस्तोगीः मोहन राकेश और उसके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
जगन्नाथ शर्माः प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
पुष्पा बंसलः मोहन राकेश का नाट्य साहित्य, सूर्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
बच्चन सिंहः हिन्दी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

HIN 515: 'kk/k izfof/k ,oa dEI;wVj vuiz;ksx

उद्देश्य

- विद्यार्थियों को शोध की संकल्पना और प्रकार से संबंधित सूचना प्रदान की जाएगी तथा विविध प्रकार के शोध उपकरणों से अवगत करवाया जाएगा।

- विद्यार्थियों को कंप्यूटर से संबंधित आधारभूत ज्ञान, सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान करवाया जाएगा तथा इंटरनेट के अनुप्रयोग से अवगत करवाया जाएगा।

इकाई–1 (12 घण्टे)

शोधः अर्थ एवं परिभाषा, स्वरूप एवं प्रवृत्ति, विधियां, उपकरण एवं युक्तियां, शोध के तत्त्व
शोध के प्रकारः साहित्यिक शोध, ऐतिहासिक शोध, भाषा–वैज्ञानिक शोध, शैली वैज्ञानिक शोध, तुलनात्मक शोध

इकाई–2 (11 घण्टे)

शोध की प्रक्रियाः प्राप्त सामग्री का विश्लेषण एवं मुल्यांकन, विषय निर्वाचन, रूपरेखा निर्माण, सामग्री संकलन, शोध प्रबंध लेखन
हिन्दी में शोधपत्र एवं शोधप्रबंध लेखन का महत्त्व एवं प्रक्रिया

इकाई–3 (11 घण्टे)

कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, हार्डवेअर तथा सॉफ्टवेअर का सामान्य परिचय।

हिंदी में उपलब्ध सुविधाओं का परिचय और उपयोग विधि।

इकाई–4 (11 घण्टे)

इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग–अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेअर पैकेज आदि।

v/;;u ds fy, lgk;d iqLrdsa%&

Ahuja, Ram. *Research Methods*. Jaipur: Rawat Publications, 2009.
अरोड़ा हरीश (डॉ.). शोध प्रविधि और प्रक्रिया. नई दिल्लीः के.के. पब्लिकेशन्स, 2011
Anderson, Jonathan and Millicent Poole. *Assignment and Thesis Writing*. New Delhi: Wiley India Pvt. Ltd., 2011.

Duncan. *Advanced MS DOS Programming*. BPB, 1988.
Gookin, D. *MS Word 2007 for Dummies*. Wiley, 2007.
Harvey, G. *MS Excel 2007 for Dummies*. Wiley, 2007.
हरिमोहन. कम्प्यूटर और हिंदी. नई दिल्लीः तक्षशिला प्रकाशन, 98–ए, हिंदी पार्क,दरियागंज.
Maidasani, Dinesh. *Learning Computer Fundamentals, Ms Office and Internet & Web Technology*. Firewall, 2009.
MLA Handbook for Writers of Research Papers. 8th Ed. New Delhi: East West Press, 2009.
Musciano, Chuck and Bill Kennedy. *HTML & XHTML: The Definitive Guide*, 6th Edition. O'Reilly, 2006.
Pilgrim, Mark. *HTML5: Up and Running*. O'Reilly, 2010.
Silberschatz, Abraham and Greg Gagne. *Operating System Concepts*. Wiley, 2009.
सिंह शशिभूषण. शोध प्रविधि. नई दिल्लीः अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, 2012

HIN 516: कंप्यूटर अनुप्रयोग (प्रायोगिक)

उद्देश्य

- कंप्यूटर से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- इंटरनेट के अनुप्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना ।

(15 घण्टे 30 प्रैक्टिकल)

- कंप्यूटर के विविध भागों से परिचय एवं उनका अनुप्रयोग।
- माईक्रोसोफ्ट की बुनियादी कमांडों का ज्ञान।
- माईक्रोसोफ्ट वर्ड, एक्सेल और पॉवर पोईन्ट का प्रयोग।
- इंटरनेट तथा ईमेल का प्रयोग एवं सावधानियां।
- हिन्दी में उपलब्ध सुविधाओं का परिचय एवं उपयोग विधि।
- इंटरनेट पोर्टल, हिन्दी में सॉफ्टवेअर पैकेज आदि।

HIN. 510: fgUnh Hkk"kk mnHko vkj fodkl

mís';

- हिन्दी भाषा के उद्भव एवं विकास के संबंध में विस्तार से समझ विकसित करना।
- हिन्दी के भाषिक स्वरूप की समझ विकसित करना।
- हिन्दी के व्याकरणिक स्वरूप की समझ विकसित करना।

bdkbl&1 ¼15 ?k.V½

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं।

मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं – पालि, प्राकृत,शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं।

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण।

bdkbZ&2 ¼15 ?k.Vs½

हिंदी का भौगोलिक विस्तार : हिंदी की उपभाषाएं – पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी,राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं।

bdkbZ&3 ¼15 ?k.Vs½

हिंदी का भाषिक स्वरूप : हिंदी शब्द–संरचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूपरचना, लिंग, वचन और कारक–व्यवस्था के सदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप। हिंदी वाक्य–रचना, पदक्रम और अन्विति।

bdkbZ&4 ¼15 ?k.Vs½

हिंदी की संवैधानिक स्थिति, मानकीकरण।

देवनागरी लिपि : उत्पत्ति, विकास विशेषताएं और मानकीकरण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

किशोरीदास वाजपेयीः हिन्दी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

कैलाश चन्द्र भाटिया : हिन्दी भाषा, साहित्य भवन, प्रा.लि. इलाहाबाद।

देवेन्द्रनाथ शर्माः भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

भोलानाथ तिवारी : हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : भारतीय आर्य भाषाएं और हिन्दी भाषा, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली ।

वासुदेवनंदन प्रसाद– आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, भारती भवन पब्लिशर्ज एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

HIN. 511: tulapkj ek/;e ,oa fgUnh

mís'; %

- जनसंचार के माध्यमों के संबंध में विस्तार से समझ विकसित करना।
- हिन्दी में उपलब्ध जनसंचार माध्यमों की समझ विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.Vs½

जनसंचारः अवधारणा, स्वरूप और विकास
जनसंचार के प्रमुख सिद्धांत और सिद्धांतकार
जनसंचार और हिन्दी

bdkbZ&2 ¼15 ?k.Vs½

प्रिंट मीडिया का स्वरूप (समाचार पत्र, पत्रिकाएं आदि)
प्रिंट मीडिया के लिए लेखन (संपादकीय, फीचर आदि)
प्रिंट मीडिया की भाषा

bdkbZ&3 ¼15 ?k.Vs½

इलेक्ट्रोनिक मीडिया का स्वरूप
इलेक्ट्रोनिक मीडिया के लिए लेखन (टी0वी0, रेडियो, फिल्म आदि)
कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु लेखन (समाचार लेखन, रिपार्टिंग, मनोरंजन, फिल्म समीक्षा, विज्ञापन लेखन, एंकरिंग आदि)

bdkbZ&4 ¼15 ?k.Vs½

सोशल मीडिया का स्वरूप
ई– कॉमर्स, ई–बीजनस, ई–पत्रिका आदि
सोशल मीडिया की भाषा

v/;;u d fy, iLrd

रेमंड विलियमः संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र

पी.सी. जोशीः संस्कृति विकास और संचार क्रांति

अर्जुन तिवारीः हिन्दी पत्रकारिता का वहृत इतिहास

रामशरण जोशीः साक्षात्कार सिद्धांत एवं व्यवहार

रामशरण जोशीः पत्रकारिता में अनुवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

आशा पाण्डेयः हिन्दी विज्ञापन की भाषा, ब्लैकी एंड एंन पब्लिकेशन, दिल्ली

रमेश जैनः इलेक्ट्रोनिक मीडिया लेखन, आधार प्रकाशन, पंचकूला

चंद्र कुमारः जनसंचार माध्यमों में हिन्दी, क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली

vr fo"k; ikB;Øe&1

HIN. 512: fgUnh i=dkfjrk

mí'; %

- पत्रकारिता के संबंध में विस्तार से समझ विकसित करना।
- हिन्दी में उपलब्ध पत्र–पत्रिकाओं की समझ विकसित करना।
- पत्रकारिता के विविध स्वरूपों के संबंध में समझ विकसित करना।

bdkb&1 ¼8 ?k.V½

हिन्दी साहित्य एवं पत्रकारिता का संबंध, साहित्य के विकास में पत्रकारिता का योगदान

पत्रकारिता का उद्भव और विकास, विश्व पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, वाणिज्य पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, धर्म संस्कृति पत्रकारिता

bdkb&2 ¼7 ?k.V½

फोटो पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, हास्य व्यंग्य पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता

bdkb&3 ¼8 ?k.V½

हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास, राष्ट्रीय आंदोलन और पत्रकारिता, आज़ादी की लड़ाई में भाषाई अखबारों की भूमिका

bdkb&4 ¼7 ?k.V½

हिन्दी की प्रमुख पत्र पत्रिकाएं, 21वीं सदी में पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियां एवं दायित्व, मीडिया और समाज

v/;;u d fy, lgk;d iLrd

कृष्ण बिहारी मिश्र : हिन्दी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
अर्जुन तिवारी : जनसंचार पत्रकारिता, जयभारती प्रकाशन
कमलापति त्रिपाठी वपी॰डी॰ टंडनः पत्र और पत्रकार, ज्ञानमंडल, वाराणसी
अम्बिका प्रसादवाजपेयीः समाचार पत्र कला, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ
सुशीला जोशी : हिन्दी पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम, राजस्थानग्रन्थ अकादमी, जयपुर
वेद प्रताप वैदिक : हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,नयी दिल्ली
संजीव भानावत : प्रेस कानून और पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली

Transaction Mode for semester I: Lecture; Tutorial; Group Discussion; Seminar, Self-learning, Dialogue Mode, Text book analysis, Illustration

SEMESTER-II

HIN. 521: fgUnh lkfgR; dk bfrgkl&2 ¼vk/kqfud dky½

mís'; %

- हिन्दी साहित्य के आधुनिककाल के संबंध में विस्तार से समझ विकसित करना।
- हिन्दी साहित्य के आधुनिककाल की विविध विधाओं के संबंध में समझ विकसित करना।
- हिन्दी साहित्य के आधुनिककाल की विविध विधाओं की प्रवृतियों के विश्लेषण की समझ विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.Vs½

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, नामकरण, काल विभाजन, विशिष्टताएँ, आधुनिक काल व नवजागरण।

भारतेन्दु युग : प्रमुख प्रवृत्तियां और रचनाकार

bdkbZ&2 ¼15 ?k.Vs½

द्विवेदी युग : प्रमुख प्रवृत्तियां और रचनाकार

छायावादी काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियां और रचनाकार

bdkbZ&3 ¼15 ?k.Vs½

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता : प्रमुख प्रवृत्तियां और रचनाकार

bdkbZ&4 ¼15 ?k.Vs½

हिन्दी गद्य का आरंभ व विकास

% कहानी विधा का विकास

: उपन्यास विधा का विकास

: नाटक विधा का विकास

: निबन्ध विधा का विकास

: हिन्दी आलोचना का विकास

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

गणपति चन्द्रगुप्त : हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, भारतेन्दु भवन, चण्डीगढ़।

नगेन्द्र (संपादक) : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली।

नामवर सिंहः दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

नामवर सिंहः कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

रामकुमार वर्मा : हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नव साहित्य प्रेस, इलाहाबाद।

रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्, पटना।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य को भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

HIN. 522: vk/kfud fgUnh dk0;&2

mí'; %

- हिन्दी साहित्य के आधुनिक काव्य के संबंध में समझ विकसित करना।
- आधुनिक काल की विविध काव्य प्रवृत्तियों की समझ विकसित करना।
- विवेच्य काव्यों का आलोचनात्मक विश्लेषण करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.Vs½

सं॰ ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय' : निम्न कविताएँ : नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी,

bdkbZ&2 ¼15 ?k.Vs½

गजानन माधव मुक्तिबोधः अंधेरे में (चाँद का मुँह टेढ़ा है)

bdkbZ&3 ¼15 ?k.Vs½

नागार्जुन : प्रमुख कविताएँ

1. प्रतिबद्ध हूँ 2. सिंदूर तिलकित भाल 3. गुलाबो चूड़ियां 4. बादल को घिरते देखा है
5. बहुत दिनों के बाद 6. अकाल और उसके बाद।

दुष्यंत कुमार : साये में धूप

bdkbZ&4 ¼15 ?k.Vs½

कुंवर नारायण : आत्मजयी (खण्डकाव्य)

धूमिलः प्रमुख कविताएंः

1. बीस साल बाद 2. एकांत कथा 3.शहर में सूर्यास्त 4.सच्ची बात 5.माचीराम
6. रोटी और संसद

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

रामस्वरूप चतुर्वेदी : अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली।

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : अज्ञेय, नेशनल पब्लिकेशन्स हाउस, दिल्ली।

लल्लन राय : मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, मंथन प्रकाशन, रोहतक।

चंचल चौहान : मुक्तिबोध : प्रतिबद्ध कला के प्रतीक, पांडुलिपि प्रकाशन, दिल्ली।

नंद किशोर नवल : मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

सं॰ विद्यानिवास मिश्रः अज्ञेय, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली।

नागार्जुन :प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

विजय कुमारः साठोत्तरी हिन्दी कविताः परिवर्तित दिशाएं, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।

HIN.523: dFkrj x| lkfgR;

mís'; %

- कथेतर गद्य साहित्य के संबंध में समझ विकसित करना।
- कथेतर गद्य साहित्य के इतिहास एवं विकास के संबंध में समझ विकसित करना।
- विवेच्य रचनाओं का आलोचनात्मक विश्लेषण करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.Vs½

रेखाचित्रः अतीत के चलचित्रः महादेवी वर्मा

bdkbZ&2 ¼15 ?k.Vs½

आत्मकथाः मुड़ मुड़ के देखता हूँ : राजेन्द्र यादव

bdkbZ&3 ¼15 ?k.Vs½

निबंधः चिन्तामणि भाग–1 : रामचन्द्र शुक्ल

श्रद्धा–भक्ति

लज्जा और ग्लानि

कविता क्या है

काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था

bdkbZ&4 ¼15 ?k.Vs½

thouh % vkokjk elhgk % fo".kq izHkkdj

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

रामविलास शर्माः हिन्दी आलोचना और रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

रामस्वरूप चतुर्वेदीः हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस

fuey k tSu% fgUnh vkykspuk chloh lnh

विश्वनाथ त्रिपाठीः हिन्दी आलोचनाA

HIN. 524: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

mís'; %

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों के संबंध में समझ विकसित करना।
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का आलोचनात्मक विश्लेषण करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.Vs½

प्लेटो : आदर्शवाद

अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त एवं विरेचन सिद्धान्त

bdkbZ&2 ¼15 ?k.Vs½

होरेस : औचित्य सिद्धान्त

लोंजाइनस : उदात्त सिद्धान्त

bdkb&3 ¼15 ?k.V½

टी॰ एस॰ इलियट : परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा का सिद्धांत

आई॰ ए॰ रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त, संप्रेषण सिद्धांत

bdkb&4 ¼15 ?k.V½

मार्क्सवाद
मनोविश्लेषणवाद
अस्तित्ववाद
शैलीविज्ञान
संरचनावाद और उत्तर–आधुनिकतावाद

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

गणपतिचंद्र गुप्तः भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

देवेन्द्रनाथ शर्माः पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस

नगेन्द्र एवं सावित्री सिन्हाः पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रकाशन

निर्मला जैन : नयी समीक्षा के प्रतिमान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

बच्चन सिंह : आलोचना और आलोचक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

भागीरथ दीक्षित : समीक्षालोक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।

रामचन्द्र तिवारी : आलोचक का दायित्व, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

HIN.525: i;kstueyd fgUnh

mís';

- प्रयोजनमूलक हिन्दी के संबंध में समझ विकसित करना।
- कार्यालयी हिन्दी के विविध रूपों का ज्ञान एवं अनुप्रयोगों की समझ विकसित करना।
- हिन्दी में कंप्यूटर अनुप्रयोग का ज्ञान विकसित करना।

bdkb&1 ¼15 ?k.V½

हिंदी भाषा के विविध रूप– सामान्य भाषा, मातृभाषा, माध्यम भाषा,संपर्क भाषा, अंतरराष्ट्रीय भाषा।

हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप – प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा एवंस्वरूप, प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ

bdkb&2 ¼15 ?k.V½

राजभाषा हिंदी : संवैधानिक प्रावधान, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य।

कार्यालयी हिंदी : स्वरूप और विशेषताएँ

कार्यालयी लेखन : स्वरूप, प्रकार, टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन,प्रतिवेदन, अभ्यास।

bdkb&3 ¼15?k.V½

सरकारी पत्राचार : स्वरूप, प्रकार, प्रारूप – परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालयआदेश, अर्धसरकारी पत्र।

व्यावसायिक पत्रलेखन : स्वरूप, प्रकार, प्रारूप – आवेदन पत्र, नियुक्तिपत्र, माँग पत्र, साख पत्र,

bdkbZ&4 ¼15 ?k.Vs½

कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, हार्डवेअर तथा सॉफ्टवेअर का सामान्यपरिचय।

हिंदी में उपलब्ध सुविधाओं का परिचय और उपयोग विधि।

इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग–अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेअर पैकेज आदि।

v/;;u dh fy, lgk;d iLrdsa&

कम्प्यूटर और हिंदी – हरिमोहन (तक्षशिला प्रकाशन, 98–ए, हिंदी पार्क,दरियागंज, नई दिल्ली)

कार्यालय हिंदी में प्रयोग की दिशाएँ – संपा. उमा शुक्ल

हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा–रूप – डॉ. माधव सोनटक्के

प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी – कैलाशचंद्र भाटिया (तक्षशिला प्रकाशन,98–ए, हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली)

प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप–डॉ. राजेंद्र मिश्र/राकेश शर्मा (तक्षशिला प्रकाशन,98–ए,हिंदी पार्क, दरियागंज, दिल्ली)

प्रशासनिक कामकाजी शब्दावली – डॉ. हरिमोहन (तक्षशिला प्रकाशन,98–ए, हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली)

प्रशासन में राजभाषा हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया (तक्षशिला प्रकाशन,98–ए, हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली)

व्यावहारिक हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया (तक्षशिला प्रकाशन, 98–ए,हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली)

HIN. 526: fgUnh i=dkfjrk

mís'; %

- पत्रकारिता के संबंध में विस्तार से समझ विकसित करना।
- हिन्दी में उपलब्ध पत्र–पत्रिकाओं की समझ विकसित करना।
- पत्रकारिता के विविध स्वरूपों के संबंध में समझ विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.Vs½

हिन्दी साहित्य एवं पत्रकारिता का संबंध, साहित्य के विकास में पत्रकारिता का योगदान
पत्रकारिता का उद्भव और विकास, विश्व पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, वाणिज्य पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, धर्म संस्कृति पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, हास्य व्यंग्य पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता

bdkbZ&2 ¼15 ?k.Vs½

हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास, राष्ट्रीय आंदोलन और पत्रकारिता, आज़ादी की लड़ाई में भाषाई अखबारों की भूमिका
हिन्दी की प्रमुख पत्र पत्रिकाएं, 21वीं सदी में पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियां एवं दायित्व, मीडिया और समाज

bdkbZ&3 ¼15 ?k.Vs½

समाचार संकलन व लेखन के सिद्वान्त : समाचार व उसके अवयव, समाचार के स्रोत,समाचार एजेंसियाँ, सम्पादकीय, फीचर व रिपोर्ताज लेखन, इलेक्ट्रोनिक मीडिया के लिएलेखन
सम्पादन कला के सिद्वान्त : शीर्षक, पृष्ठ विन्यास, प्रस्तुति प्रक्रिया, विभिन्न स्तंभों कीयोजना, दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की योजना, प्रौद्योगिकी का प्रयोग

bdkbZ&4 ¼15 ?k.Vs½

भारत में प्रेस कानून : भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना का अधिकार,मानवाधिकार, मुक्त प्रेस की अवधारणा, प्रेस सम्बन्धी कानून व आचार संहिता, भारती प्रेसपरिषद्

v/;;u dh fy, lgk;d iLrdsa%

कृष्ण बिहारी मिश्र : हिन्दी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
अर्जुन तिवारी : जनसंचार पत्रकारिता, जयभारती प्रकाशन

कमलापति त्रिपाठी व पी॰डी॰ टंडनः पत्र और पत्रकार, ज्ञानमंडल, वाराणसी
अम्बिका प्रसादवाजपेयीः समाचार पत्र कला, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ
सुशीला जोशी : हिन्दी पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम, राजस्थानग्रन्थ अकादमी, जयपुर
वेद प्रताप वैदिक : हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,नयी दिल्ली
संजीव भानावत : प्रेस कानून और पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
अरुण जैन : पत्रकारिता और पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
रामचन्द्र तिवारी : सम्पादन के सिद्वान्त, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
एम॰के॰ दुबे : पत्रकारिता के नए आयाम, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
इन्द्रसेन सिंह : आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी और साहित्यिक पत्रकारिता,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
शिवप्रसाद भारती : पत्र प्रकाशन और प्रक्रिया, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
अर्जुन तिवारी : इतिहास निर्माता पत्रकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
बच्चन सिंह : हिन्दी पत्रकारिता के नए प्रतिमान, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी

vr%fo"k; ikB;Øe&2

HIN. 527: fgUnh flusek

mís'; %

- हिन्दी सिनेमा के इतिहास के संबंध में समझ विकसित करना।
- हिन्दी साहित्य और सिनेमा के अंतरसंबंधों की समझ विकसित करना।
- हिन्दी भाषा के प्रचार में हिन्दी सिनेमा के योगदान की समझ विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼8 ?kaVs½

हिन्दी सिनेमा का उद्‌भव और विकास
स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी सिनेमाः बदलते संदर्भ

bdkbZ&2 ¼7 ?kaVs½

स्वातंत्र्योतर हिन्दी सिनेमाः बदलते संदर्भ
समकालीन हिन्दी सिनेमाः बदलते संदर्भ

bdkbZ&3 ¼8 ?kaVs½

हिन्दी सिनेमा और भारतीय समाजः अंतरसंबंध
हिन्दी साहित्य और हिन्दी सिनेमाः अंतरसंबंध

bdkbZ&4 ¼7 ?kaVs½

कलात्मक एवं व्यावसायिक फिल्मेंः तुलनात्मक विश्लेषण

v/;;u dh fy, lgk;d iqLrdsa

कमला प्रसाद (डॉ.) : फिल्म का सौन्दर्यशास्त्र और भारतीय सिनेमा, शिल्पायन प्रकाशन
दिलचस्प (नारायण सिंह रजावत) : हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष, भारतीय पुस्तक परिषद
दिलचस्प (नारायण सिंह रजावत) : हिन्दी फिल्मों का संक्षिप्त इतिहास, सामयिक प्रकाशन
संजीव श्रीवास्तव : समय, सिनेमा और इतिहास, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय
शमीम खान : सिनेमा में नारी, प्रभात प्रकाशन

Transaction Mode for semester I: Lecture; Tutorial; Group Discussion; Seminar, Self-learning, Dialogue Mode, Text book analysis, Illustration

SEMESTER-III

HIN.551: Hkk"kkfoKku

mís'; %

- भाषाविज्ञान के संबंध में समझ विकसित करना।
- भाषाविज्ञान के विविध रूपों के संबंध में समझ विकसित करना।
- भाषायी परिवारों के वर्गीकरण से संबंधित समझ विकसित करना।

bdkb&1 ¼15 ?k.V½

भाषा विज्ञान–सिद्धांत पक्ष–भाषा की उत्पति के सिद्धांत, भाषा की विशेषताएं औरप्रवृत्तियां, भाषा का विकास, परिवर्तन और उसके कारण।
ध्वनि–विज्ञान : ध्वनियों का वर्गीकरण। ध्वनि–नियम, ग्रिम–नियम, ग्रासमेन–नियम,बर्नर–नियम।

bdkb&2 ¼15 ?k.V½

अर्थविज्ञान : अर्थ–परिवर्तन, अर्थ–परिवर्तन की दिशाएं (प्रकार) अर्थ–परिवर्तन केकारण।

bdkb&3 ¼15 ?k.V½

वाक्य विज्ञान : स्वरूप, प्रकार, परिवर्तन के कारण।

bdkb&4 ¼15 ?k.V½

भाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण : वर्गीकरण का आधार, भारोपीय परिवार : महत्त्व, शाखाएं, विशेषताएं।

v/;;u dsfy, lgk;d iqLrdsa

कर्ण सिंह : भाषाविज्ञान, साहित्य भंडार, मेरठ

देवेन्द्रनाथ शर्मा : भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

बाबूराम सक्सेना : सामान्य भाषाविज्ञान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद

भोलानाथ तिवारी : भाषाविज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद

भोलानाथ तिवारी : हिन्दी भाषा, किताब महल, इलाहाबाद

रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

विश्वनाथ प्रसाद : लिंगविस्टिक सर्वे, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

विश्वनाथ प्रसाद : भाषा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

वैश्ना नारंगः समसामयिक भाषाविज्ञान, यश पब्लिशर्ज़, दिल्ली

श्यामसुन्दर दास : भाषा–रहस्य, इंडियन प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

हरदेव बाहरी : हिन्दी : उद्भव विकास और रूप, किताब महल, दिल्ली

HIN. 552: fgUnh dk0;&1

mí'; %

- हिन्दी के प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के संबंध में समझ विकसित करना।
- हिन्दी के प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों एवं उनके काव्यों की विविध प्रवृतियों से संबंध में समझ विकसित करना।
- विवेच्य रचनाओं के संबंध में आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक समझ विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.V½

चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासउ का पद्मावती समय (संपादक माता प्रसाद गुप्त)

bdkbZ&2 ¼15 ?k.V½

गोरखनाथ – (गोरख–वानी, पीतांबर दत्त बड़थवाल)

पद संख्या 14, 27, 28, 31, 32, 36, 37, 39, 50, 55, 63, 68, 69, 72, 73, 76

bdkbZ&3 ¼15 ?k.V½

कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (1, 2, 3, 5, 8, 11, 12, 13, 16, 20, 22, 24,26 ,27, 30, 33, 35, 40, 46, 47, 57, 63, 64, 65, 94 व 25 पद), राजकमलप्रकाशन नई दिल्ली

bdkbZ&4 ¼15 ?k.V½

मलिक मुहम्मद जायसी – पद्मावत (आ. रामचंद्र शुक्ल) केवल–नागमती वियोगखण्ड।

अध्ययन के लिए पुस्तकेंः–

कबीरः हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी

कबीर एक अनुशीलन – राम कुमार वर्मा

गोरख–वानी, पीतांबर दत्त बड़थवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

तुलसीदास– डा. उदयभानु सिंह

भारतीय सौन्दर्यशास्त्र और तुलसीदास – डा. रामविलास शर्मा

जायसी ग्रंथावली– आ. रामचंद्र शुक्ल, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली

जायसी– विजयदेव नारायण साही

जायसी एक नई दृष्टि – डा. रघुवंश

पृथ्वीराज रासोः साहित्यिक मुल्यांकन–डॉ. द्विजराम यादव, साहित्य लोक प्रकाशन, कानपुर

चंदबरदाई और उनका काव्य– विपिन बिहारी त्रिवेदी, ए हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद

आदिकाल की प्रमाणिक रचनाएं– डॉ. गणपति चंद्र गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

HIN. 553: ykd lkfgR;

mís'; %

- लोक साहित्य के संबंध में समझ विकसित करना।
- लोक साहित्य के विविध रूपों के संबंध में समझ विकसित करना।
- लोक साहित्य के विविध रूपों का विश्लेषण एवं मुल्यांकन विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.V½

लोक साहित्य : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं और वर्गीकरण ।

लोक संस्कृति तात्विक विश्लेषण ।

लोक संस्कृति और लोक साहित्य ।

bdkbZ&2 ¼15 ?k.V½

अभिजात (शिष्ट) साहित्य और लोक साहित्य का अन्तः सम्बन्ध ।

लोक साहित्य का महत्त्व ।

bdkbZ&3 ¼15 ?k.V½

लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों (इतिहास, समाजशास्त्र, भाषा विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, नृविज्ञान, चिकित्साशास्त्र) से सम्बन्ध ।

भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास ।

bdkbZ&4 ¼15 ?k.V½

लोक–साहित्य के प्रमुख रूपों का सैद्धान्तिक विश्लेषण (लोक–गीत, लोक–कथा, लोक–गाथा, लोक–नाटक, लोकोक्तियां, मुहावरे एवं पहेलियां ।

लोक साहित्य की आलोचना के मानदण्ड ।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकेंः–

सत्येन्द्र, लोक–सहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल, आगरा ।

कृष्णदेव उपाध्याय, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।

कृष्णदेव उपाध्याय, भारम में लोक साहित्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।

त्रिलोचन पाण्डेय, लोक साहित्य का अध्ययन, लोक भारती, इलाहाबाद ।

गौतम व्यथित : लोक संस्कृति और लोक साहित्य, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली ।

लोक जीवन और परम्पराएँ, कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी, शिमला ।

HIN. 554: Hkkjrh; lkfgR;

mí'; %

- भारतीय साहित्य संबंध में समझ विकसित करना।
- भारतीय साहित्य के विविध रूपों के संबंध में समझ विकसित करना।
- विवेच्य रचनाओं के विश्लेषणात्मक मुल्यांकन संबंधी समझ विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.V½

रवीन्द्रनाथ टैगोर –कहानियाँ

(पोस्टमास्टर, काबुलीवाला, नस्ट नीड़, पत्नी का पत्र, नेत्रदान, पात्र और पात्री)

bdkbZ&2 ¼15 ?k.V½

विजय तेंदुलकर – घासीराम कोतवाल (मराठी नाटक), कथा पब्लिकेशन, दिल्ली

bdkbZ&3 ¼15 ?k.V½

यू॰आर॰ अनंतमूर्ति – संस्कार (कन्नड़ उपन्यास), भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

bdkbZ&4 ¼15 ?k.V½

गुरुदयाल सिंह –मड़ी का दीवा (पंजाबी उपन्यास), साहित्य अकादमी, दिल्ली

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:–

नगेन्द्र : भारतीय साहित्य, साहित्य सदन, झांसी

नगेन्द्रः भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

भोलाशंकर व्यास : भारतीय साहित्य, चौखम्बा, वाराणसी

रामविलास शर्मा : भारतीय साहित्य की भूमिका, राजकमल, नयी दिल्ली

हजारी प्रसाद द्विवेदी : मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ, राजकमल, नयी दिल्ली

विश्वनाथ नखणे : आधुनिक भारतीय चिंतन, राजकमल, नयी दिल्ली

शिशिर कुमार दास : ए हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिटरेचर, साहित्य अकादमी, नयीदिल्ली

आर.एस.मगली : कन्नड़ साहित्य चरित्र, उषा साहित्य माला, मैसूर

HIN.555: स्त्री विमर्श

mí'; %

- स्त्री विमर्श के संबंध में समझ विकसित करना।
- हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श के विविध पक्षों के संबंध में समझ विकसित करना।
- विवेच्य रचनाओं के विश्लेषणात्मक मुल्यांकन संबंधी समझ विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.V½

स्त्री विमर्श : सैद्धांतिक विवेचन (परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र, परंपरा और विकास, विशेषताएं, कलापक्ष एवं महत्त्व)

bdkbi&2 ¼15 ?k.V½

मीरांबाई – (पदावली, स्त्री प्रश्न से संबंधित 15 पद)

bdkbi&3 ¼15 ?k.V½

महादेवी वर्मा – शृँखला की कड़ियां

bdkbi&4 ¼15 ?k.V½

मृदुला गर्ग – कठगुलाब

v/;;u dh fy, lgk;d iLrd%

स्त्री अस्मिता के सवाल – डॉ. प्रभा दीक्षित

हिंदी नारी : कार्यशीलता के बदलते आयाम – प्रभावती जड़ीया

मीरां का जीवनः अरविंद तेजावत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

मीरां का काव्यः विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य – संपादक पुन्नीसिंह कमलाप्रसाद

भारतीय साहित्य में दलित एवं स्त्री – चमनलाल

स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प – रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

साहित्य का स्त्री स्वर – रोहिणी अग्रवाल

साहित्य की जमीन और स्त्री मन के उच्छवास, रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

स्त्री उपेक्षिताः सीमोन द बोवुआर (अनु0 प्रभा खेतान), हिन्दी पाकेट बुक्स, नई दिल्ली।

HIN. 556: दलित विमर्श

mís';

- दलित विमर्श के संबंध में समझ विकसित करना।
- हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श के विविध पक्षों के संबंध में समझ विकसित करना।
- विवेच्य रचनाओं के विश्लेषणात्मक मुल्यांकन संबंधी समझ विकसित करना।

bdkbi&1 ¼15 ?k.V½

दलित विमर्श : सैद्धांतिक विवेचन (परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र, परंपरा और विकास, विशेषताएं, कलापक्ष एवं महत्त्व)

bdkbi&2 ¼15 ?k.V½

कहानियाँ–

सलामः औमप्रकाश वाल्मीकि
अपना गाँवः मोहनदास नेमिशराय
हक्वाईः एस.आर.हरनोट

bdkbi&3 ¼15 ?k.V½

आत्मकथा– मुर्दहिया और मणिकर्णिका : डॉ. तुलसीराम

bdkbi&4 ¼15 ?k.V½

उपन्यासः छप्पर : जयप्रकाश कर्दम

v/;;u d fy, iLrd%

आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श– डॉ. देवेन्द्र चौबे, ओरिएंटल ब्लैकस्वान
भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य – संपादक पुन्नीसिंह कमलाप्रसाद
भारतीय साहित्य में दलित एवं स्त्री – चमनलाल
चिन्तन की परंपरा और दलित साहित्य –श्यौराजसिंह बेचैन
दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि
दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र– शरणकुमार लिंबाले
दलित कविता का संघर्ष– कंवल भारती, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज – ईश कुमार, अकादमिक प्रतिभा, नई दिल्ली

HIN. 557: vuokn % fl)kr ,o lei{kk

mí'; %

- अनुवाद एवं अनुवाद की प्रक्रिया के संबंध में समझ विकसित करना।
- अनुवाद के विविध रूपों के संबंध में समझ विकसित करना।

bdkb&1 ¼15 ?k.V½

अनुवाद परिभाषा, प्रक्रिया, महत्त्व

अनवुाद में समतुल्यता का सिद्धांत

bdkb&2 ¼15 ?k.V½

अनुवादक के गुण, द्विभाषियों की भूमिका

अनुवाद के प्रकार : प्रकृति के आधार पर

bdkb&3 ¼15 ?k.V½

पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत, विविध प्रकार, आवश्यकता एवं महत्त्व

bdkb&4 ¼15 ?k.V½

साहित्यनुवाद : कथानुवाद, नाट्यानुवाद तथा काव्यानुवाद / समस्याएं।

v/;;u d fy, lgk;d iLrd%

अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग – जी. गोपीनाथन (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार – जयंतीप्रसाद नौटियाल (राजकमल प्रकाशन,दिल्ली)

हिन्दी अनुवाद : समस्या और समाधान – जितेन्द्र दास (निर्मल पब्लि. दिल्ली)

अनुवाद कला– विश्वनाथ अय्यर (प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली)

अनुवाद सिद्धांत – सुरेश सिन्हा

अनुवाद प्रक्रिया – रीतारानी पालिवाल

अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी

अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं अनुप्रयोग – डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

HIN. 558: fgUnh ukVd vkj jaxeap

mís'; %

- हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के संबंध में समझ विकसित करना।
- हिन्दी नाटक के विविध रूपों के संबंध में समझ विकसित करना।
- विवेच्य रचनाओं के आलोचनात्मक मुल्यांकन की समझ विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.Vs½

नाटक और रंगमंच : अवधारणा और स्वरूप

हिन्दी नाटकः उद्‌भव और विकास

हिन्दी रंगमंचः उद्‌भव और विकास, हिन्दी नाटकः आधुनिकता बोध और प्रयोगधर्मिता

bdkbZ&2 ¼15 ?k.Vs½

जयशंकर प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना

अंधेर नगरीः भारतेन्दु हरिश्चंद्र, अजातशत्रुः जयशंकर प्रसाद

bdkbZ&3 ¼15 ?k.Vs½

मोहन राकेश के नाटकों में आधुनिकता बोध एवं प्रयोगधर्मिता
अंधायुग का नाट्य शिल्प और अस्तित्ववाद
आषाढ़ का एक दिनः मोहन राकेश, अंधायुगः धर्मवीर भारती

bdkbZ&4 ¼15 ?k.Vs½

विभाजन मानवीय त्रासदी का रूपक

मिस्टर अभिन्युः लक्ष्मीनारायण लाल

जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याई नइः असगर वजाहत

lgk;d iLrdsa%

भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

भारतेन्दु युग और हिन्दी भाष की समस्याः रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययनः जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

हिन्दी नाटकः उद्‌भव और विकास : दशरथ औझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली

आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्शः जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

मोहन राकेश और उसके नाटकः गिरिश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

हिन्दी नाटकः बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

मोहन राकेश रंग शिल्प एवं प्रदर्शन : जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

HIN.543: lfeukj &1

इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी चतुर्थ सेमेस्टर में किए जाने वाली शोध परियोजना से संबंधित आधारभूत तैयारी करेंगे तथा चुने जाने वाले विषय से संबंधित सेमिनार प्रस्तुत करेंगे।

Transaction Mode: Seminar

Evaluation Criteria: Seminar will be of 100 marks in which Seminar Report and Seminar Presentation will comprise of 50 marks each. During evaluation adequate weighage will be given to Literature Survey/Background information, Organization of Content, Presentation Skills, and Discussion.

** Elective Foundation/Value Added Course

इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित हुए Value added पाठ्यक्रमों में से कोई एक पाठ्यक्रम करेंगे।

Transaction Mode for semester III: Lecture; Tutorial; Group Discussion; Seminar, Self-learning, Dialogue Mode, Text book analysis, Illustration

SEMESTER-IV

HIN. 571: fgUnh dk0; &2

mís';%

- हिन्दी के मध्यकालीन काव्य के संबंध में समझ विकसित करना।
- हिन्दी के मध्यकालीन कवियों एवं उनके काव्यों की विविध प्रवृतियों से संबंध में समझ विकसित करना।
- विवेच्य रचनाओं के संबंध में आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक समझ विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.V½

तुलसीदास– रामचरितमानस (सुंदर काण्ड) गीता प्रैस , गोरखपुर

bdkbZ&2 ¼15 ?k.V½

सूरसागर सार सटीक – सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

(क) विनय तथा भक्ति – पद संख्या 1,2,21,22,24 व 25 (6)

(ख) गोकुल लीला – पद संख्या 7,10,12,18,20,23,26,33,45 व 60 (10)

(ग) उद्धव संदेश – पद संख्या 41,44,53,68,69,77,82,86 व 120 (9)

bdkbZ&3 ¼15 ?k.V½

बिहारी का नया मूल्यांकन – डा. बच्चन सिंह (प्रथम 20 दोहे) लोक भारती प्रकाशन,नई दिल्ली।

bdkbZ&4 ¼15 ?k.V½

घनानंद–धनआनंद कवित्त, (सं0) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (15 छंद)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें–

संबोधन संदर्भ और रामचरितमानस – डॉ. बैजनाथ प्रसाद

भक्ति आंदोलन और आचार्य रामचंद्र शुक्ल– डॉ. बैजनाथ प्रसाद, विशाल प्रकाशन, पटना

सूरदास– डा. हरवंश लाल शर्मा

भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय

महाकवि सूरदास – नंद दुलारे वाजपेयी

बिहारी की साहित्य साधना – डा. हरवंश लाल शर्मा

बिहारी वाग्विभूति – डा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

मीरां और आण्डाल का तुलनात्मक अध्ययन– डा. ना. सुन्दरम्

तुलसीदास– डा. उदयभानु सिंह

घनानन्द और स्वछन्द काव्यधारा, डॉ0 मनोहर लाल गौड़, का0ना0प्र0 सभा वाराणसी ।

घनानन्द का काव्य, डॉ0 रामदेव शुक्ल, मैक्मिलन, दिल्ली ।

HIN. 572: fgUnh vkykspuk

mís'; %

- हिन्दी आलोचना के संबंध में समझ विकसित करना।
- हिन्दी के प्रमुख आलोचकों एवं उनके हिन्दी आलोचना में योगदान के संबंध में समझ विकसित करना।

इकाई–1 ¼15 ?k.V½
शुक्लपूर्व हिन्दी आलोचना : महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बंधु, पद्मसिंह शर्मा

इकाई–2 ¼15 ?k.V½
आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि

इकाई–3 ¼15 ?k.V½
हिन्दी आलोचकः हजारीप्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी, नलिन विलोचन शर्मा, नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह

इकाई–4 ¼15 ?k.V½
jpukdkj vkykspd % प्रसाद, पंत, रामधारीसिंह 'दिनकर', अज्ञेय, मुक्तिबोध

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें:

चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल
आस्थाऔर सौंदर्य (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
नयी कविता का आत्मसंघर्ष व अन्य निबंध : मुक्तिबोध
एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
सर्जना और संदर्भ : अज्ञेय
रचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
आलोचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
छायावाद : नामवर सिंह
वाद–विवाद–संवाद : नामवर सिंह
आलोचक के मुख से : नामवर सिंह
कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह
दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
विचार का अनंत : पुरुषोत्तम अग्रवाल
आलोचना से आगे : सुधीश पचौरी
रस मीमांसाः आ0 रामचंद्र शुक्ल
शशिभूषण शीतांशुः हिन्दी आलोचना के आर पार के साक्षात्कार
महावीर प्रसाद द्विवेदीः कालिदास की निरंकुशता

HIN. 573: fgUnh dh lLdfr ¼lLFkk,] if=dk,] vknkyu] dUn½

mí'; ½

- हिन्दी की सांस्कृतिक संस्थाओं के संबंध में समझ विकसित करना।
- हिन्दी के विकास से संबंधित आंदोलन एवं पत्रिकाओं के संबंध में समझ विकसित करना।

bdkb&1 ¼15 ?k.V½

संस्थाएँः नागरी प्रचारिणी सभा, बनारस, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, दक्षिण भारतीय हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

bdkb&2 ¼15 ?k.V½

पत्रिकाएँः कविवचन सुधा, हिन्दी प्रदीप, ब्राह्मण पत्रिका, आनंदकादंबिनी, सरस्वती, प्रताप, मर्यादा, सुधा, माधुरी, मतवाला, विशाल भारत, चाँद, हंस, कल्पना, सारिका, साक्षात्कार, ज्ञानोदय और नया ज्ञानोदय, साखी, आलोचना, प्रतीक, दिनमान, धर्मयुग, पहल।

bdkb&3 ¼15 ?k.V½

आंदोलनः ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली, खड़ी बोली आंदोलन, हिन्दी–उर्दू हिन्दुस्तानी विवाद, प्रगतिशील आंदोलन, नाट्य आंदोलन, लघु पत्रिका आंदोलन, दलित आंदोलन, सोशल मीडिया

bdkb&4 ¼15 ?k.V½

केन्द्रः बनारस, इलाहाबाद, कलकता, दिल्ली, हैदराबाद, लखनऊ

lgk;d iLrd%

नागरी प्रचारिणी सभाः वार्षिक विवरण– नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

हिन्दी साहित्य सम्मेलन का इतिहासः नरेश मेहता – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

दक्षिण के हिन्दी प्रचार का समीक्षात्मक इतिहासः पी0के. केशवन नायर – हिन्दी साहित्य भण्डार

खड़ी बोली का आंदोलनः शितिकंठ मिश्र – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानीः पदमसिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

रंग दस्तावेज : सौ साल (दो खण्ड): सं0 महेश आनंद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

परिमल स्मृतियाँ और दस्तावेज : केशवचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

HIN. 574: fgUnh miU;kl

mís'; %

- हिन्दी उपन्यास के उद्भव एवं विकास के संबंध में समझ विकसित करना।
- हिन्दी उपन्यास के विविध भेदों एवं विकास के संबंध में समझ विकसित करना।
- विवेच्य रचनाओं के आलोचनात्मक मुल्यांकन की समझ विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼15 ?k.V½

हिन्दी उपन्यासः उद्भव एवं विकास, हिन्दी उपन्यास के विविध भेद

bdkbZ&2 ¼15 ?k.V½

आधा गांव : राही मासूम रज़ा

bdkbZ&3 ¼15 ?k.V½

ज़िन्दगीनामा : कृष्णा सोबती

bdkbZ&4 ¼15 ?k.V½

रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल

v/;;u dh fy, lgk;d iqLrdsa&

इन्द्रनाथ मदान – हिंदी उपन्यास : एक नयी दृष्टि, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

कुसुम शर्मा – साठोत्तरी हिंदी उपन्यास विविध प्रयोग, श्याम प्रकाशन, जयपुर

प्रेम भटनागर– हिंदी उपन्यास : बदलते परिप्रेक्ष्य, अर्चना प्रकाशन, जयपुर

बेचन – आधुनिक हिंदी उपन्यास उद्भव और विकास, सन्मार्ग प्रकाशन, नई दिल्ली

रविकुमार अनु – हिंदी उपन्यासः पंजाब का सांस्कृतिक संदर्भ, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली

राजकिशोर – हिन्दी उपन्यास और उसका समाज, आधार प्रकाशन, पंचकूला

रामदरश मिश्र – हिंदी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

शंकर बसंत मुद्गल – हिंदी के महाकाव्यात्मक उपन्यास, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर

सुदेश बत्रा – हिन्दी उपन्यासः बदलते परिप्रेक्ष्य, रचना प्रकाशन, जयपुर

HIN. 577: हिन्दी भाषा और साहित्य का पुनरावलोकन –I

mís' ; %

- हिन्दी में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा के विषय में समझ विकसित करना।
- हिन्दी में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा के संबंध में विविध तथ्यों की समझ विकसित करना।
- हिन्दी में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में विवेच्य रचनाओं के आलोचनात्मक मुल्यांकन की समझ विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼7 ?k.Vs½

हिन्दी कहानी, नाटक और उपन्यास : उद्भव और विकास

bdkbZ&2 ¼8 ?k.Vs½

हिन्दी निबंध, आलोचना तथा कथेतर विधाए :उद्भव और विकास

bdkbZ&3 ¼8 ?k.Vs½

परीक्षा गुरू, शेखरः एक जीवनी, मैला आंचल

bdkbZ&4 ¼7 ?k.Vs½

भारत दुर्दशा, अंधा युग, अंधेर नगरी, ध्रुवस्वामिनी, आठवां सर्ग

HIN. 578: हिन्दी भाषा और साहित्य का पुनरावलोकन –II

mís' ; %

- हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं के संबंध में सैद्वांतिक समझ विकसित करना।
- हिन्दी साहित्य में प्रचलित विविध विचारधाराओं के संबंध में समझ विकसित करना।
- हिन्दी के प्रमुख रचनाकारों और उनकी उपलब्धियों के संबंध में समझ विकसित करना।

bdkbZ&1 ¼7 ?k.Vs½

मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद,

bdkbZ&2 ¼8 ?k.Vs½

संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, रूपवाद, उत्तर आधुनिकता, विखंडनवाद, नयी समीक्षा,

bdkbZ&3 ¼8 ?k.Vs½

प्रेमचंद, रामचंद्र शुक्ल, जयशंकर प्रसाद, मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध, अज्ञेय, मुक्तिबोध

bdkbZ&4 ¼7 ?k.Vs½

निराला, नागार्जुन, केदारनाथ सिंह, कुंवर नारायण, धूमिल, रघुवीर सहाय, केदारनाथ अग्रवाल,

HIN.544: lfeukj & 2

इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी चतुर्थ सेमेस्टर में किए गए शोध परियोजना से संबंधित सेमिनार प्रस्तुत करेंगे।

Transaction Mode: Seminar

Evaluation Criteria: Seminar will be of 100 marks in which Seminar Report and Seminar Presentation will comprise of 50 marks each. During evaluation adequate weighage will be given to Literature Survey/Background information, Organization of Content, Presentation Skills, and Discussion.

PBI.599: 'kks/k ifj;kstuk

विद्यार्थी अपने द्वारा चुने गए विषय से संबंधित परियोजना को पूर्ण करेंगे।

Transaction Mode: Project Method

Evaluation Criteria: As per university guidelines for Master's Programmes.

**** Elective Foundation/Value Added Course**

इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित हुए Value added पाठ्यक्रमों में से कोई एक पाठ्यक्रम करेंगे।

Transaction Mode for semester IV: Lecture; Tutorial; Group Discussion; Seminar, Self-learning, Dialogue Mode, Text book analysis, Illustration